49वां संशोधित संस्करण

दत्त एवं सुन्दरम

भारतीय अर्थव्यवस्था

गौरव दत्त

अश्विनी महाजन

एस. चन्द

Scanned by TapScanner

विषय - सूची

अध्याय

भाग 1 : भारत में विकास एवं आयोजन की मूल धारणाएँ

1. भारत – एक विकासशील अर्थव्यवस्था
   1. अल्पविकसित बनाम विकसित अर्थव्यवस्थाएँ
   2. विकासशील अर्थव्यवस्था के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल लक्षण

2. भारत की राष्ट्रीय आय
   1. भारत में राष्ट्रीय आय के अनुमान का तरीका
   2. राष्ट्रीय आय की नयी शृंखला (1999-2000)
   3. राष्ट्रीय आय की संरचना एवं वृद्धि की प्रवृत्तियाँ
   4. भारत में राष्ट्रीय आय प्राक्कलन की सीमाएँ

3. जनसंख्या और आर्थिक विकास
   1. जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त
   2. भारत में जनसंख्या का आकार और वृद्धि-दर
   3. जनसंख्या का घनत्व
   4. नगरीकरण और भारत का आर्थिक विकास
   5. जनसंख्या वृद्धि : आर्थिक विकास में एक कारणतत्व
   6. जनसख्या नीति
   7. भारतीय जनसंख्या प्रक्षेपण (2001-2006)
   8. जनांकिकीय लाभांश

4. भारत में मानव विकास
   1. मानव विकास की अवधारणा और माप
   2. भारत के विभिन्न राज्यों के लिए मानव विकास सूचक
   3. राष्ट्रीय मानव रिपोर्ट (2001)
   4. नीति की दिशा

5. व्यवसायिक ढाँचा और आर्थिक विकास
   1. आर्थिक विकास और व्यावसायिक वितरण
   2. भारतीय अर्थव्यवस्था का बदलता हुआ ढाँचा
   3. भारत में 1950-51 और 2001-02 के दौरान सकल देशीय उत्पाद और रोजगार का बदलता हुआ स्वरूप
   4. शुद्ध राज्यीय देशीय उत्पाद और रोजगार में परिवर्तन और विभिन्न राज्यों की स्थिति

6. भारतीय अर्थव्यवस्था में आधारसंरचना
   1. आधारसंरचना और आर्थिक विकास
   2. ऊर्जा
   3. पावर

Scanned by TapScanner

4. भारत के आर्थिक विकास में परिवहन-प्रणाली 84
5. भारतीय रेलवे का विकास 86
6. रेल-वित्त 88
7. भारत में सड़क तथा सड़क परिवहन 92
8. रेल-सड़क समन्वय 97
9. भारत में जल-परिवहन 99
10. नागरिक विमान परिवहन 102
11. भारत में संचार प्रणाली 104
12. आधारसंरचना में निजी निवेश - दृष्टि और भविष्य 106
13. आधारसंरचना में निवेश 108

7. सामाजिक क्षेत्र और सामाजिक आधारसंरचना 110– 132
1. सामाजिक क्षेत्र और सामाजिक आधारसंरचना की अवधारणा 110
2. भारत में शिक्षा का विकास 111
3. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और स्वास्थ्य आधारसंचना का विकास 121

8. भारत में आर्थिक आयोजन 133 – 139
1. आयोजन की ऐतिहासिक समीक्षा 133
2. भारत में आयोजन के सामजार्थिक उद्देश्य 134
3. भारत में लोकतांत्रिक समाजवाद 135

9. मिश्रित अर्थव्यवस्था में आयोजन की प्रक्रिया 140 – 145
1. मिश्रित अर्थव्यवस्था की अवधारणा का विकास 140
2. मिश्रित अर्थव्यवस्था का अर्थ एवं क्षेत्र 141
3. भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था का ढांचा 142
4. मिश्रित अर्थव्यवस्था में आयोजन प्रक्रिया 143
5. स्वीकृत सामाजिक उद्देश्यों के बावजूद आयोजन प्रक्रिया में विकृतियाँ 144

10. भारतीय आयोजन में विकास की रणनीति 146 – 161
1. भारत में विकास रणनीति 146
2. भारतीय विकास रणनीति का गुह्यार्थ 147
3. विकास का गांधीवादी बनाम नेहरूवादी मॉडल 152
4. नेहरूवादी और गांधीवादी मॉडलों का समन्वय-एकमात्र समाधान 155
5. विकास का उ.नि.वै. मॉडल 156
6. पूरा-विकास की नवगांधीवादी दृष्टि 158

11. औद्योगिक नीति 162 – 177
1. औद्योगिक नीति 1948 162
2. 1956 की औद्योगिक नीति 162
3. जनता सरकार की औद्योगिक नीति (1977) 164
4. औद्योगिक नीति 1980 167
5. औद्योगिक लाइसेन्स प्रणाली 168
6. हजारी रिपोर्ट की मुख्य बातें 168
7. औद्योगिक लाइसेन्स नीति पर दत्त समिति की रिपोर्ट 169

Scanned by TapScanner

8. औद्योगिक लाइसेंस प्रणाली में उदारीकरण की लहर 171
9. औद्योगिक नीति (1991) 172

12. सरकारी क्षेत्र और भारतीय आयोजन 178 – 195
1. भारत में सरकारी क्षेत्र का विकास 178
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में सरकारी क्षेत्र का कार्यभाग 180
3. सरकारी उद्यमों के विस्तार के पक्ष में तर्क 186
4. सरकारी उद्यमों का निष्पादन 188
5. सरकारी उद्यमों की कमजोरियां 191
6. सार्वजनिक क्षेत्र की नीति के भावी दिशा-निर्देश 193

13. सार्वजनिक उद्यमों का विनिवेश 196 – 204
1. विनिवेश का तर्काधार 196
2. विनिवेश नीति का अविर्भाव 197
3. सरकार द्वारा विनिवेश से कुल प्राप्ति 198
4. विनिवेश की आलोचना 199

14. राज्य के कार्यभाग की पुनः परिभाषा करना 205 – 214
1. आर्थिक विकास की त्वरित करने के लिए राज्य के कार्यभाग का विस्तार (1956 से 1990) 205
2. सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यभाग को कम करना 207
3. बाजार-विफलता के क्षेत्र और राजकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता 208
4. समाजवादी अर्थव्यवस्था में राज्य का कार्यभाग 208
5. राज्य के कार्यभाग को पुनः परिभाषित करना 211

15. निजीकरण और आर्थिक सुधार 215 – 244
1. सार्वजनिक क्षेत्र के निष्पादन सम्बन्धी विश्लेषण 215
2. सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र की तुलना 217
3. विश्व में निजीकरण की लहर 218
4. निजीकरण का अर्थ एवं क्षेत्र 220
5. भारत में निजीकरण के प्रयास 221
6. निजीकरण के विकल्प मॉडल 223
7. सार्वजनिक बनाम निजी क्षेत्र विवाद-एक निरर्थक बहस 225
8. आर्थिक सुधार-एक संक्षिप्त विवरण 227
9. आर्थिक सुधारो का मूल्यांकन 229

16. वैश्वीकरण और इसका भारत पर प्रभाव 245 – 266
1. वैश्वीकरण और इसकी वकालत 245
2. वैश्वीकरण का विकासशील देशों, विशेषकर भारत पर प्रभाव 247
3. उचित वैश्वीकरण और इसके लिए नीति सम्बन्धी ढाँचे की आवश्यकता 258
4. वैश्वीकरण उलटे गेयर में संरक्षणवाद का उभार 264
5. वैश्विक संकट और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव 265

Scanned by TapScanner

17. भारत में आयोजन : उपलब्धियों की समीक्षा 267 – 283
1. पहली नौ पंचवर्षीय योजनाएं (1950-51-2001-02) 267
2. भारत के आयोजन के 57 वर्षों की समीक्षा 275
18. वित्तीय साधन और योजनाएँ 284 – 293
1. वित्त के स्रोत 284
2. पंचवर्षीय योजनाओं के वित्त प्रबन्ध का ढाँचा 285
3. योजना वित्त-प्रबन्ध के विभिन्न स्रोतों के गुण एवं दोष 290
19. दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-2007) 294 – 309
1. दसवीं योजना : उद्देश्य, लक्ष्य और रणनीति 294
2. वृद्धिदर लक्ष्य, बचत और निवेश 297
3. सार्वजनिक क्षेत्र की योजना- संसाधन और आवंटन 300
4. क्षेत्रीय संतुलन एवं गरीबी 302
5. दसवीं योजना के निर्धनता प्रक्षेपण 302
6. विदेशी क्षेत्र के आयाम 303
7. रोजगार परिदृश्य 304
8. दसवीं योजना की प्रगति उपलब्धियाँ और विफलताएँ 305
20. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना और समावेशी विकास 310 – 329
1. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना की पूर्वसंध्या पर आर्थिक परिदृश्य 310
2. ग्यारहवीं योजना के उद्देश्य 311
3. ग्यारहवीं योजना के समष्टि-आर्थिक आयाम 312
4. ग्यारहवीं योजना का वित्त-प्रबन्ध 315
5. संसाधनों का क्षेत्रीय आबंटन 317
6. आधारसंरचना का विकास 318
7. ग्यारहवीं योजना में रोजगार परिप्रेक्ष्य 319
8. गरीबी कम करना 323
9. वृद्धि-दरों में क्षेत्रीय असमानता 324
10. ग्यारहवीं योजना की समीक्षा 325
21. भारत में पूँजी-निर्माण की समस्या 330 – 343
1. अल्पविकसित अर्थव्यवस्था में पूँजी-निर्माण 330
2. पूंजी-निर्माण की प्रक्रिया 331
3. भारतीय अर्थव्यवस्था में देशीय बचत एवं पूँजी निर्माण की प्रवृत्ति 332
4. भारत में बचत गतिमान करने की समस्या 339
5. बचत दर, विकास दर और वर्धमान पूंजी-उत्पाद अनुपात में सम्बन्ध 342
22. विदेशी सहायता और भारत का आर्थिक विकास 344 – 363
1. विदेशी पूँजी की आवश्यकता 244
2. विदेशी निवेश नीति 345
3. भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ता हुआ विदेशी सहयोग 346
4. विदेशी सहायता और पंचवर्षीय योजनाएँ 353
5. आर्थिक विकास पर विदेशी सहायता का प्रभाव 355

Scanned by TapScanner

6. विदेशी सहायता की समस्याएँ 356
7. भारत का विदेशी ऋण और ऋण जाल 358
23. गरीबी और भारत में आयोजन प्रक्रिया 364 – 384
1. गरीबी की धारणा 364
2. भारत में गरीबी के अध्ययन 365
3. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 55वां दौर और गरीबी में कमी सम्बन्धी विवाद 367
4. आर्थिक सुधार और गरीबी को कम करना 369
5. गरीबी में कमी की रफ्तार घटी परन्तु और असमानता बढ़ी 370
6. गरीबी रेखा की पुनः परिभाषा करने की आवश्यकता 374
7. गरीबी दूर करने में विफलता के कारण 382
8. गरीबी हटाओ कार्यक्रम 383
24. भारत में बेरोज़गारी 385 – 426
1. भारत में बेरोज़गारी का स्वरूप 385
2. भारत में बेरोज़गारी के अनुमान 386
3. बेरोजगारी और अल्परोज़गार को कम करने की विभिन्न योजनाएँ 387
4. महाराष्ट्र की रोज़गार गारंटी योजना 388
5. समन्वित ग्राम विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्राम रोज़गार कार्यक्रम, गरीबी एवं रोज़गार 390
6. जवाहर रोज़गार योजना 395
7. नौवीं योजना से रोजगार नीति 398
8. बेरोज़गारी और रोज़गार के बदलते हुए आयाम 400
9. भारत में रोज़गार की संरचना 404
10. रोज़गार की गुणवत्ता 405
11. एस.पी.गुप्ता विशेष दल की 100 लाख प्रति वर्ष रोज़गार कायम करने की रिपोर्ट 406
12. रोज़गार-वृद्धि प्रोत्साहित करने के लिए विकल्प विकास मॉडल 413
13. रोज़गार गारंटी कानून (2005) 418
25. भारत में आर्थिक शक्ति में असमानता 427 – 445
1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् बड़े औद्योगिक घरानों का विकास 427
2. एकाधिकार का विकास और भारत में आर्थिक शक्ति का संकेन्द्रण 428
3. प्रतियोगिता नीति ओर प्रतियोगिता कानून 432
4. विकास और असमानता 435
5. भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में 437
6. भारतीय मध्य वर्ग का विकास 442
7. भारतीय बहुराष्ट्रीय निगम : विलयन और अवाप्ति 445
26. मूल्य, मूल्य-नीति और आर्थिक विकास 446 – 463
1. स्वतन्त्रता-उपरान्त काल में कीमतों में परिवर्तन 446
2. हाल ही में हुई मूल्य-वृद्धि के कारण 450
3. भारत में कीमतों पर नियन्त्रण 454
4. हाल ही में बढ़ती हुई कीमत-स्फीति और पिसता हुआ आम आदमी 456

Scanned by TapScanner

27. संतुलित क्षेत्रीय विकास 464 – 481
1. क्षेत्रीय असंतुलन के सूचक 464
2. आर्थिक पिछड़ेपन और क्षेत्रीय असंतुलन के कारण 471
3. पिछड़े राज्यों में बदलती तस्वीर; परन्तु अधिक प्रयासों की दरकार 473
4. क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के नीति सम्बन्धी उपाय 474
5. दसवीं और ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना और क्षेत्रीय असमानताएँ 478
6. राज्यीय मानवीय विकास रिपोर्ट 481

भाग 2 : भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रीय पहलू

28. कृषि, उत्पादिता प्रवृत्तियां और फसल प्रतिरूप 482 – 504
1. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान 482
2. सामान्य आर्थिक विकास के लिए कृषि विकास अनिवार्य 484
3. पंचवर्षीय योजनाओं के आधीन कृषि की प्रगति 489
4. मंडराता हुआ कृषि संकट 496
5. खाद्यान्नों आधीन क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादिता में राज्यवार अन्तर 497
6. निम्न उत्पादिता के कारण 499
7. भारत में फसल प्रतिरूप 501

29. भारत में खाद्य सुरक्षा 505 – 523
1. खाद्य सुरक्षा की अवधारणा 505
2. भारत में खाद्य-स्वावलम्बिता और खाद्य सुरक्षा 506
3. सार्वजनिक वितरण प्रणाली और इसका गरीबी पर प्रभाव 510
4. अन्तर्राष्ट्रीय अनुभव के सबक 514
5. सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार की नीति 514
6. लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 517
7. दसवीं योजना और खाद्य सुरक्षा 519
8. विश्व भूख सूचकांक और भारत 522
9. वैश्विक स्तर पर खाद्य असुरक्षा 523

30. हरी क्रान्ति 524 – 542
1. नई कृषि विकास रणनीति 524
2. नई कृषि विकास रणनीति की उपलब्धियाँ 525
3. नई कृषि विकास रणनीति के पक्ष में तर्क 527
4. नई कृषि विकास रणनीति की कमजोरियाँ 527
5. कृषि के नये विकास क्षेत्र 529
6. हरी क्रान्ति – भावी सम्भावनाएँ 532
7. भारत में कृषि की प्रगति की समीक्षा 535
8. किसानों पर राष्ट्रीय आयोग और दूसरी हरी क्रान्ति 537

31. कृषि आदान और विधियाँ 543 – 559
1. सिंचाई 543
2. बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाएं – एक वाद-विवाद 547

Scanned by TapScanner

3. दसवीं योजना में सिंचाई [illegible]
4. सिंचाई में निजी क्षेत्र की भागीदारी [illegible]
5. उर्वरक और खाद [illegible]
6. उन्नत बीज [illegible]
7. भारत में पशुपालन एवं दुग्धशाला विकास [illegible]
8. कृषि का यंत्रीकरण [illegible]

32. भू-सुधार 566 – 577
1. विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए भू-सुधार की आवश्यकता एवं क्षेत्र 566
2. बिचौलियों की समाप्ति 566
3. भू-धारण सुधार 567
4. भू-जोतों की अधिकतम सीमा 569
5. भू-सुधार और स्वामित्व जोतों का आकार वितरण 569
6. भू-सुधार नीति की आलोचना 575

33. जोत का आकार और उत्पादिता 578 – 589
1. लाभकर जोत का अर्थ 578
2. भारत में संकार्य जोतों के आकार का ढांचा 578
3. जोतों के उपविभाजन और विखण्डन की समस्या 579
4. सहकारी खेती 582
5. जोत का आकार, उत्पादिता और लाभदायकता/फार्म कुशलता 584 586

34. भारत में ग्राम-ऋण की व्यवस्था 590 – 615
1. ग्रामीण ऋण की आवश्यकता एवं स्रोत 590
2. कृषि-वित्त के विशेष लक्षण 593
3. भारतीय ऋणग्रस्तता की बदलती हुई तस्वीर 595
4. ग्रामीण वित्त में बहु-एजेन्सी दृष्टिकोण 598
5. वाणिज्य बैंक और ग्राम-वित्त 602
6. ग्राम उधार के लिए नयी रणनीति : सेवा-क्षेत्र की नयी पद्धति 606
7. क्षेत्रीय ग्राम बैंक 607
8. नेबार्ड और ग्राम उधार 608
9. फसल और पशु बीमा 612
10. ग्रामीण वित्त के बारे में हाल ही में किए गए कुछ उपाय 614

35. कृषि विपणन तथा भंडारण 616 – 627
1. भारत में कृषि-विपणन की वर्तमान अवस्था 616
2. विनियमित मण्डियां 618
3. सहकारी विपणन 618
4. सरकार और कृषि विपणन 621
5. भारत में भंडारण 623
6. कृषि विपणन में सुधार-संदर्भ मॉडल ए.पी.एम.सी. एक्ट 625

36. सहकारिता और कृषि विकास 628 – 636
1. भारत में सहकारिता का ढाँचा 628

Scanned by TapScanner

2. अल्पकालिक सहकारी उधार 629
3. शहरी सहकारी बैंक 632
4. दीर्घकालीन सहकारी उधार-सहकारी कृषि एवं ग्राम विकास बैंक 632
5. सहकारी आन्दोलन की उपलब्धियाँ 634
6. सहकारी आन्दोलन की कमजोरियाँ 635
37. औद्योगिक ढाँचा और योजनाएँ 637 – 651
1. औद्योगिकरण का ढांचा 637
2. आयोजन को पूर्वसन्ध्या पर भारत में औद्योगिक विकास का ढाँचा 638
3. औद्योगिक ढाँचा और पंचवर्षीय योजनाएँ 640
4. आयोजन-काल के दौरान औद्योगिक प्रगति की समीक्षा : संरचनात्मक परिवर्तन 646
38. कुछ बड़े पैमाने के उद्योग 652 – 673
1. लौह तथा इस्पात उद्योग 652
2. सूती कपड़ा उद्योग 656
3. पटसन उद्योग 661
4. चीनी उद्योग 663
5. सीमेंट उद्योग 667
6. कागज उद्योग 669
7. पेट्रो-रसायन उद्योग 669
8. आटोमोबाइल उद्योग 673
39. सूचना तकनालाजी उद्योग 674 – 689
1. सूचना तकनालाजी और ज्ञान अर्थव्यवस्था 674
2. भारत में सूचना तकनालाजी पर विश्व के संदर्भ में दृष्टि 675
3. सूचना तकनालाजी के मुख्य मुद्दे 675
4. भारत में सूचना तकनालाजी का विकास और वर्तमान स्थिति 678
5. दसवीं योजना में सूचना तकनालॉजी उद्योग 681
6. नगर-ग्राम विभाजन और सूचना तकनालाजी का विस्तार 683
7. बहिर्स्रोतीकरण, राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण 687
40. लघु उद्यम 690 – 712
1. लघु उद्यम की परिभाषा और वर्गीकरण 690
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु उद्यमों की भूमिका 691
3. लघु-स्तर उद्योग और तीसरी गणना के अन्तिम परिणाम 693
4. चतुर्थ सूक्ष्म, लघु और मध्यम् उद्यमों की चौथी गणना के त्वरित अनुमान 696
5. लघु उद्यमों का समर्थन 697
6. अक्षमताओं को दूर करने की नीतियाँ और कार्यक्रम 700
7. लघु-क्षेत्र औद्योगिक नीति (1991) 702
8. नौवीं, दसवी, और ग्यारहवीं योजना में ग्राम तथा लघु उद्योग 705
9. लघु उद्यमों के विकास पर एस.पी.गुप्त अध्ययन दल 707
10. व्यष्टि और लघु क्षेत्र की सहायता के लिए नीति सम्बन्धी सुझाव 710

Scanned by TapScanner

41. असंगठित क्षेत्र और भारतीय अर्थव्यवस्था का अनौपचारिकरण 713 – 731

1. असंगठित क्षेत्र और भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था 713
2. असंगठित क्षेत्र का आकार 713
3. गरीबी, दुर्बलता और असंगठित क्षेत्र रोजगार में सहसम्बन्ध की अधिकतम मात्रा 714
4. संगठित और असंगठित श्रमिकों का अनुमान 717
5. गैर-कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार श्रमिक 719
6. कृषि-मजदूर 720
7. बन्धुआ श्रम 723
8. किसानों के काम करने की दशाएँ 724
9. असंगठित क्षेत्र के लिए कार्य योजना 725
10. असंगठित क्षेत्र पर उद्यमों के राष्ट्रीय आयोग की सिफारिशों का मूल्यांकन 727

42. भारत का विदेशी व्यापार 730 – 750

1. विकासशील अर्थव्यवस्था में विदेशी व्यापार का महत्व 732
2. स्वतन्त्रता-उपरान्त काल में भारत का विदेशी व्यापार 733
3. भारतीय विदेशी व्यापार की संरचना 739
4. भारत में विदेशी व्यापार की दिशा 746

43. भारत का भुगतान-शेष 751 – 769

1. स्वतन्त्रता-उपरान्त काल में चालू खाते पर भुगतान-शेष 751
2. भुगतान-शेष और नए आर्थिक सुधार (1991) 754
3. भुगतान-शेष के घाटे की समस्या का समाधान 758
4. आयात नीति 760
5. निर्यात नीति 761
6. निर्यात-आयात नीति (1992-97) 762
7. निर्यात-आयात नीति (2002-07) 763
8. विदेश व्यापार नीति (2004-09) 766

44. विशेष आर्थिक क्षेत्र 770 – 789

1. विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना के उद्देश्य और विशेष अधिकार 770
2. विशेष आर्थिक क्षेत्र सम्बन्धी नीति चीनी अनुभव से प्रेरित 771
3. विशेष आर्थक क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति और भावी प्रोग्राम 772
4. विशेष आर्थिक क्षेत्र नीति की आलोचना 773
5. सेज नीति के विकास सम्बन्धी हाल ही में हुए कुछ परिवर्तन 777
6. विशेष आर्थिक क्षेत्रों पर संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट 779
7. सेज-कार्यकरण पर रिपोर्ट की समीक्षा 785
8. पुन:स्थापन और पुनर्वास नीति (2007) 787

45. गैट, विश्व व्यापार संगठन और भारत का विदेशी व्यापार 790 – 812

1. वार्ता का उरूगुए रौंद-गैट का आठवां रौंद 790
2. उरूगए रौंद का अन्तिम अधिनियम और इससे भारत के लिए गुह्यार्थ 791
3. गैट में सामाजिक कण्डिका 798
4. विश्व व्यापार संगठन और भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर प्रभाव 801

Scanned by TapScanner

5. दोहा विश्व व्यापार सम्मेलन में भारत का कार्यभाग 805
6. विश्व व्यापार संगठन एवं कृषि 807
7. विश्व व्यापार संगठन का जिनेवा ढाँचा और भारत 809
46. औद्योगिक श्रम और इसका संगठन 813 – 823
1. औद्योगिक श्रम के लक्षण 813
2. मजदूर संघ आन्दोलन 814
3. मजदूर संघ आन्दोलन में उभरती हुई प्रवृतियाँ 818
47. श्रम समस्याएँ और श्रम नीति 824 – 834
1. भारत में औद्योगिक विवाद 824
2. औद्योगिक विवादों का समाधान 828
3. भारत में सामाजिक सुरक्षा के उपाय 830
4. हड़ताल का अधिकार और सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय 833
48. कृषि श्रम 835 – 844
1. भारत में कृषि श्रम की वर्तमान स्थिति 835
2. कृषि मजदूर और न्यूनतम मजदूरी 840
3. बन्धुआ श्रम का उन्मूलन 841
4. ग्रामीण श्रम पर राष्ट्रीय आयोग (1991) की सिफारिशें 843
49. दूसरा राष्ट्रीय श्रम आयोग 845 – 860
1. दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग (1999) के विचारार्थ विषय एवं दर्शन 845
2. श्रम कानूनों की समीक्षा और राष्ट्रीय श्रम आयोग की सिफारिशें 848
3. दूसरे श्रम आयोग की रिपोर्ट का मूल्यांकन 853
4. असंगठित क्षेत्र और व्यापक-विधान 859
50. भारतीय मौद्रिक प्रणाली 861 – 883
1. भारतीय वर्तमान मौद्रिक प्रणाली 861
2. विस्तृत मुद्रा (M_3)के स्रोत : भारत में मुद्रा संभरण को प्रभावित करने वाले कारण तत्व 864
3. रूपये का विदेशी मूल्य 867
4. रूपये की परिवर्तनीयता : चालू और पूँजी खाते पर 869
5. भारतीय विदेशी मुद्रा रिजर्व 875
6. विदेशी मुद्रा प्रबन्ध कानून 880
7. मुद्रा प्रक्षालन निरोधक कानून (2002) 882
51. भारतीय वित्तीय प्रणाली : वाणिज्य बैंक-व्यवस्था 884 – 900
1. भारतीय वित्तीय प्रणाली पर एक दृष्टि 884
2. देशी बैंक-व्यवस्था 887
3. भारत में वाणिज्य बैंक प्रणाली की प्रगति 889
4. भारत में बैंकों की लाभदायकता 895
5. बैंकिंग प्रणाली और प्रतिभूति घोटाला 897
52. भारत में वित्तीय प्रणाली का सुधार 901 – 912
1. बैंकिंग प्रणाली का सुधार 901
2. बैंकिंग प्रणाली पर नरसिम्हम समिति (1991) की सिफारिशें 903

Scanned by TapScanner

3. भारत में मुद्रा और पूँजी बाजार का सुधार 906
4. बैंकिंग क्षेत्र का सुधार (1992-2006) 908
53. भारतीय वित्तीय प्रणाली : विकास बैंकिंग एवं वित्त संस्थान 913 – 929
1. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम 913
2. राज्यीय वित्त निगम 916
3. भारतीय औद्योगिक ऋण तथा निवेश निगम 917
4. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक 918
5. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक 921
6. अन्य निवेश संस्थान 922
7. भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक 925
8. भारतीय निर्यात-आयात बैंक 925
9. अन्य विकास-वित्त संस्थान 926
10. सार्वजनिक क्षेत्र के सावधि-उधार संस्थान-एक मूल्यांकन 926
11. सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों का सुधार 927
54. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया 930 – 939
1. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया और इसके कार्य 930
2. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया और भारतीय मुद्रा बाजार 932
3. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की मौद्रिक नीति 935
55. केन्द्र और राज्यों के बीच वित्तीय सम्बन्ध 940 – 958
1. संविधान में वित्तीय सम्बन्ध 940
2. वित्त आयोग 942
3. पहले ग्यारह वित्त आयोगों का मूल्यांकन 948
4. बारहवां वित्त आयोग (2005-10) 952
56. तेहरवां वित्त आयोग 959 – 968
1. तेरहवें वित्त आयोग का दृष्टिकोण 960
2. ऊर्ध्व अंतरण: मुद्दे एवं दृष्टिकोण 960
3. क्षैतिज अंतरण: मुद्दे एवं दृष्टिकोण 961
4. राजकोषीय समेकन हेतु संशोधित रूपरेखा 963
5. तेरहवें वित्त आयोग का मूल्यांकन 965
57. केन्द्र और राज्य सरकारों की बजटीय प्रवृत्तियाँ 969 – 999
1. भारत सरकार के बजट की संरचना 969
2. 1950-51 के पश्चात् केन्द्र सरकार के बजट 970
3. केन्द्र सरकार का राजस्व 971
4. केन्द्र सरकार का व्यय 978
5. राज्य सरकारों के बजट 981
6. मूल्य-वृद्धि-कर 986
7. राज्य सरकारों का राजस्व-व्यय 988
8. केन्द्र एवं राज्यीय सरकारों के राजस्व एवं व्यय की प्रवृतियाँ 990

Scanned by TapScanner

9. भारत का सार्वजनिक ऋण 991
10. भारत में न्यून वित्त प्रबन्धन 995
58. केन्द्र सरकार का बजट (2011-12) 1000 – 1024
1. भारतीय अर्थव्यवस्था का रिपोर्ट कार्ड 1000
2. मुख्य चुनौतियां और बजट 1001
3. समावेशी सुदृढ़ीकरण 1008
4. 2011-12 के बजट का सार 1012
5. बजट 2011-12 का मूल्यांकन 1022
59. भारत में सरकारी अर्थसाहाय्य 1025 – 1037
1. अर्थसाहाय्याँ पर एन.आइ.पी.एफ.पी का चर्चा-पत्र (1997) 1025
2. अर्थसाहाय्य पर केन्द्रीय सरकार की रिपोर्ट (2004) 1029
3. अर्थसाहाय्यों पर भावी नीति 1035

Scanned by TapScanner